आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 6/अंक 3/सितंबर 2026
Received: 15/09/2026; Published: 28/10/2026

कविता

जानवरों का लोकतन्त्र

- ओम शंकर

ओम शंकर, जानवरों का लोकतन्त्र , आखर हिंदी पत्रिका, **खंड 6/अंक 3/सितंबर 2026,** (376-377)

https://doi.org/10.5281/zenodo.23926779

This work is licensed under CC BY-NC 4.0

अगर जानवर भी देते वोट-
तो चूहों से गाय मरवाई जाती,
शेर चींटियों से डरवाए जाते।
सफाई मंत्री सुअर बनाए जाते,
बंदरों से सुरक्षा करवाई जाती।
अगर जानवर भी देते वोट—
भेड़ों की रक्षा करते भेड़िये,
विदेश नीति होती, कुत्तों के हाथ।
आईटी-सेल में होते तोते,
रटते झूठ, दिन-रात।
फिर लोकतंत्र के नाम पर

ढोए जाते हम सब,

गधों की सरकार बनाकर

कहते—

यही है हमारा लोकतन्त्र !

****